This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1337**

Unique Paper Code : **210502** **F**

Name of the Paper : **Philosophy of Religion**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain the nature of philosophy of religion and distinguish it from theology.

धर्मदर्शन के स्वरूप की व्याख्या कीजिए और धर्मशास्त्र से इसकी भिन्नता दिखाइए।

P.T.O.

2. "It is wrong to identify Dharma with religion." Do you agree ? Justify your answer.

"धर्म और पंथ का तादात्म्य स्थापित करना दोषपूर्ण है।" क्या आप सहमत हैं ? तर्कयुक्त उत्तर दीजिए।

3. Evaluate the metaphysical qualities of God. Examine some of the philosophical difficulties faced by theists with regard to these attributes.

ईश्वर के तत्वमीमांसीय गुणों का मूल्यांकन कीजिए। इन गुणों के संदर्भ में ईश्वरवादियों के सम्मुख आने वाली दार्शनिक कठिनाइयों का परीक्षण कीजिए।

4. Explain how theism differs from deism and pantheism.

ईश्वरवाद, तटस्थेश्वरवाद तथा सर्वेश्वरवाद से किस प्रकार भिन्न है ? व्याख्या कीजिए।

5. What is the need for prayer in man's life ? Discuss the philosophical problems that arise in connection with prayer.

मानव जीवन में प्रार्थना की क्या आवश्यकता है ? प्रार्थना के विषय में उत्पन्न कुछ दार्शनिक समस्याओं का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

6. Bring out the role of reason and revelation in religious knowledge.

धार्मिक ज्ञान में तर्क और दैवीय प्रकाशना का क्या स्थान है ? व्याख्या कीजिए।

7. Evaluate the arguments for the immortality of soul.

आत्मा की अमरता के पक्ष में दिए गए तर्कों का मूल्यांकन कीजिए।

8. Explain the concept of religious tolerance. What is its importance in a religiously pluralistic society ?

धार्मिक सहिष्णुता के प्रत्यय की स्पष्ट रूप से व्याख्या कीजिए ? अनेक धर्मों वाले समाज में इसका क्या महत्व है ? व्याख्या कीजिए।

9. Write short notes on any *two* :

(*a*) Theory of Karma

(*b*) Religious experience

(*c*) Bhakti.

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

(*a*) कर्मवाद का सिद्धान्त

(*b*) धार्मिक अनुभव

(*c*) भक्ति।